आलेख - मन मौजी

कई बार देखा गया है कि लोग शराब का गिलास लेकर बैठ जाते हैं और उसके सहारे दुनिया भर का तनाव कम करने की जगह दो गुना तनाव और बढ़ा लेते हैं। स्त्री हो या पुरुष, शराब पीना अब आम बात हो गई है। पार्टी, शादी या किसी भी समारोह में शराब पीकर मनोरंजन करना एक आम किस्सा बन गया है। लेकिन पति हो या पत्नी या गर्लफ्रेंड, जो भी हों, कभी-कभी शराब के नशे में वे ऐसी गलतियाँ कर बैठते हैं जिनका उन्हें अंदाज़ भी नहीं होता और जिनका भुगतान उन्हें बहुत कुछ खोकर देना पड़ता है। शराब बुरी चीज़ नहीं है, लेकिन तब बुरी बन जाती है जब आप उसका गलत तरीके से उपयोग करते हैं। शराब ही क्या, कोई भी दवा यदि गलत तरीके से या अधिक मात्रा में ली जाए, तो वह भी ज़हर का ही काम करती है। शराब ख़राब नहीं है, ख़राब है तो व्यक्ति की सोच, उसका अधिक उपयोग और

वह बीमार मानसिकता जो केवल स्त्री को भोगने के लिए शराब का सहारा लेती है। बहुत बार कमज़ोर मानसिकता के लोग सही-गलत का अंतर भूल जाते हैं और बलात्कारी तक बन जाते हैं या फिर केवल संभोग के श्रृंगार को सजाने के लिए स्त्री, पुरुष या युवा जो भी हों, गलत तरह से उपयोग करने पर उसका खामियाज़ा उन्हें ही भुगतना पड़ता है। कारण कुछ भी हो, यदि कोई चीज़ आपको गलत कार्य करने को प्रेरित करती है, तो वह आपके लिए बुरी है। शराब का समर्थन करना उद्देश्य नहीं है, पर उसका सही उपयोग जानना ज़रूरी है। बाज़ार में बहुत सी दवाइयाँ बनी हैं — अलग-अलग काम के लिए, अलग-अलग तरीके से। उसी तरह शराब को भी सम्मान दो, उसका उपयोग सही तरीके से करो। गलत तरीके से शराब का उपयोग करने से व्यक्ति अपने रिश्तों और समाज में अपनी छवि तो बिगाड़ता ही है, साथ ही शराब का भी अपमान करता है। क्योंकि शराब व्यक्ति के मनोरंजन के लिए बनाई गई है, उसका मज़ाक बनाने के लिए नहीं। याद रखो — तुम शराब को पीते हो, शराब तुम्हें नहीं पीती। जब व्यक्ति शराब का सेवन अत्यधिक मात्रा में करता है, तो फिर शराब व्यक्ति को पीने लगती है। उस वक्त उसे कुछ याद नहीं रहता कि वह क्या गलत कर रहा है। शराब भी अपना सम्मान चाहती है। उसे सही तरीके से पीकर हर माहौल और समारोह का आनंद लो ताकि व्यक्ति भी खुश रहे और माहौल भी खुशनुमा बना रहे। पैसा भी वसूल हो, खुशियाँ भी मिलें और आत्म-संतोष भी बना रहे। अपना सम्मान बनाए रखो — लोग सोचें कि पीने के बाद भी यह व्यक्ति कितनी सभ्यता से पेश आ रहा है। शराब पीने का मतलब उद्दंडता नहीं है, किसी का अपमान करना नहीं है और न ही किसी का उपयोग करना है। उसका भी अपना सम्मान है — वह तुम्हारा मनोरंजन करने के लिए है, तुम्हारी मानसिकता को विचलित करने के लिए नहीं। गलती शराब नहीं करती, गलती व्यक्ति की होती है जो अपने होश खोकर ऐसा माहौल बना देता है जहाँ वह खुद को भी पहचान नहीं पाता और बड़ी-बड़ी गलतियाँ कर बैठता है, यहाँ तक कि अपने घरों को भी बर्बाद कर देता है। जिन लोगों को शराब एक साथी लगती है, उन्हें अपने उस साथी से अच्छे संबंध रखने चाहिए, उसे अपमानित मत करो — न खुद, न दूसरों के सामने। सड़कों पर शराब पीकर तमाशा करना या घर आकर पत्नी और परिवार को दंडित करना यह व्यक्ति का खुद का गलत उपयोग है। वह अपने परिवार के जीवन को भी कलह से भर देता है। सबसे अधिक इसका खामियाज़ा पत्नियों और परिवार को भुगतना पड़ता है, जो सभ्य समाज में अकेली पड़ जाती हैं। लोग उनका साथ देने से भी हिचकिचाते हैं, लेकिन दोषी फिर भी स्त्री को ही ठहराया जाता है। शराब अगर किसी की दोस्त है तो दुश्मन भी है, जिसे व्यक्ति खुद बनाता है। दोस्ती करो तो सम्मान से, वरना शराब से दुश्मनी बेहतर है। खुद भी बचो और दूसरों को भी बचाए रखो। (— मनी)

-शिखा सिंह